सत्यमेव जयते

डॉ. सुरेश गैरोला, भा.व.से.
Dr. Suresh Gairola, IFS

कुलाधिपति, व.अ.सं. विश्वविद्यालय
Chancellor, FRI University

महानिदेशक
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
डाकघर न्यू फॉरेस्ट, देहरादून - 248006
(आई एस ओ 9001:2008 प्रमाणित संस्था)

Director General
Indian Council of Forestry Research and Education
P.O. New Forest, Dehra Dun - 248 006
(An ISO 9001:2008 Certified Organisation)

दिनांक : 27 मार्च 2018

प्रिय साथी,

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक के रूप में कार्य करते हुए आज मुझे एक वर्ष हो गया है और इस अवसर पर मैं इस अवधि में किए कार्यों पर एक दृष्टि डालना चाहूंगा। विगत एक वर्ष में हम लोगों ने अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं, जिनका समारंभ 50 वर्षों के अंतराल के उपरांत राष्ट्रमंडल वानिकी सम्मेलन के आयोजन के साथ हुआ, जिससे परिषद् और वन अनुसंधान संस्थान की अंतर्राष्ट्रीय पहचान में अभिवृद्धि हुई। हाल ही में प्रारंभ किए गए अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाओं से भा.वा.अ.शि.प. को अनुसंधान के मुद्दों पर समग्र रूप से ध्यान केंद्रित करने में सहायता होगी और यह हमें राज्य वन विभागों, उद्योगों एवं किसानों की बेहतर ढंग से सेवा कर सकने में सक्षम करेंगी। क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलनों और संस्थानों में होने वाले मासिक संगोष्ठियों ने हितधारकों से विचार–विमर्श को अधिक प्रभावी बनाया है। द एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट (टेरी), भारतीय प्राणी सर्वेक्षण और टाइफेक के साथ सहयोग हेतु समझौता ज्ञापनों से हमारी निष्पादकता और अनुसंधान और विस्तार के कुछ मूलभूत क्षेत्रों में हमारी सक्रियता सुदृढ़ होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नवोदय विद्यालय समिति, केंद्रीय विद्यालय संगठन और ब्रिटिश कोलम्बिया विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन को करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं जो कि भा.वा.अ.शि.प. के योगदानों को न केवल बेहतर रूप में रेखांकित करेगा बल्कि हमारे अनुसंधान को संबंधित संगठनों तक ले जाने में सहायक होगा।

दस वर्षों के अंतराल के उपरांत वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का आयोजन एक उल्लेखनीय मील का पत्थर है और अब से दीक्षांत समारोहों का नियमित रूप से आयोजन किया जाएगा। हमारे वैज्ञानिकों, तकनीकी और लिपिकीय कर्मचारियों की निष्पादकता और कार्यसाधकता में सुधार के लिए आगामी 5 वर्षों हेतु एक मानव संसाधन विकास योजना तैयार की गई है। यह उनकी योग्यताओं और क्षमताओं को सुधारने में और परिषद् के उद्देश्यों को प्रभावशाली रूप से प्राप्त करने में सहायता करेगा। हम शीघ्र ही वानिकी विस्तार रणनीति एवं कार्य योजना का आरंभ करने जा रहे हैं जो कि हमारे अनुसंधान कार्यों को अधिक प्रभावशाली तरीके से विभिन्न लाभार्थियों तक ले जाएगी।

यह अत्यंत संतोष का विषय है कि परिषद् में 7$^{वें}$ केंद्रीय वेतन आयोग की अनुशंसाओं को समय से और सभी कार्मिकों को उपयुक्त रूप से लाभ पहुंचाते हुए समग्रता से कार्यान्वित किया गया है। केंद्र सरकार के स्तर पर सतत समन्वयन के फलस्वरूप भर्ती पर लगी रोक से विमुक्ति में सहायता मिली है और भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इससे परिषद् और इसके संस्थानों को अपनी कार्यसाधकता को सुधारने हेतु नवीन कार्मिक मिल सकेंगे।

दूरभाष / Phone : 135-2759382 (O)
EPABX : 0135-2224855, 2224333 (O)
ई–मेल / e-mail : dg@icfre.org
फैक्स / Fax : 0091-135-2755353

भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर द्वारा की गई परिषद् की निष्पादकता समीक्षा को सरकारी स्तर पर सराहा गया है। हम इसके निष्कर्षों को कार्यान्वित करने की दिशा में पहले ही कार्य आरंभ कर चुके हैं। वन नीति अनुसंधान केंद्र की स्थापना से परिषद् की राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिकता में सुधार अपेक्षित है और यह भा.वा.अ.शि.प. को भारत सरकार को वानिकी क्षेत्रों में विभिन्न निर्णयों को करने में समर्थन देने में सहायक होगा। राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान योजना का पुनरीक्षण का कार्य शीघ्र ही पूर्ण हो जाएगा और यह हमारे प्रयासों पर और ध्यानाकर्षण में सहायक होगा। प्रक्रियाओं और प्रक्रमों में स्पष्टता लाने के लिए परिषद् के नियमों और विनियमों के संग्रह को अच्छी तरह से संशोधित और अद्यतन किया गया है। परिषद् शीघ्र ही देश की प्रमुख नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में वानिकी कार्यों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने जा रहा है। इन प्रस्तावों को लागू करने से न केवल हमारे वनों की उत्पादकता में सुधार होगा बल्कि जल संवर्धन और कार्बन पृथक्करण में भी सुधार होगा। भा.वा.अ.शि.प. और इसके संस्थानों की राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिकता में सुधार के उद्देश्य से इसी प्रकार कई और पहलों पर भी कार्य चल रहा है।

मैं यहां पुनः यह कहना चाहूंगा कि सभी योजनाबद्ध कार्यक्रमों को केवल आपके पूर्ण सहयोग और सहभागिता से ही सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया जा सकता है। परिषद् को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मैं आप सभी से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए अनुरोध करता हूँ। मैं इस अवसर पर भारत सरकार और अन्य साथी संगठनों को उनके पूर्ण समर्थन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करना चाहूंगा। इस अवसर पर मैं पुनः देश की अपेक्षाओं पर खरे उतरने के लिए और हमारी परिषद् की निष्पादकता में सुधार के लिए सभी निदेशकों व अन्य कार्मिकों से प्रतिबद्धता और संकल्प का आवाहन करता हूं।

भवदीय

(डॉ. सुरेश गैरोला)

प्रति

भा.वा.अ.शि.प. के समस्त कार्मिक